आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 जून 2025 भोजपुरी समाचार

लखनऊ क शुभांशु शुक्ला तीनि गो अउरियो अंतरिक्ष यात्रियन के साथे स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार हो के एक्सिओम–4 मिसन बदे आजु कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से दुपहरिया बारह बजि के एक मिनट पर उड़ान भरलें।

येह खास उपलब्धी के बाद ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरिक्ष से एगो सनेसा भेजलें, जेहमें उहां के कहलीं कि ई एगो अद्भुत यात्रा हौ। उहां के कहलीं कि भारत एकतालीस सालि बार एक बेरि फेर अंतरिक्ष में हौ। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ईहो कहलें कि ई यात्रा अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेसन क सुरूआति नाही हौ बलुक भारत क मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम क सुरूआति हौ।

नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियो, वॉट अ राइड। 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस समय हम साढे सात किलोमीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं, और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है जो मुझे बता रहा है कि मैं आप सबके साथ हूं। ये मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की ये जर्नी की शुरूआत नहीं है, ये भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरूआत है, और मैं चाहता हूं कि आप सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपका भी सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए। आप भी उतना एक्साइटमेंट दिखाईये, आईये हम सब मिलकर भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की जर्नी की शुरूआत करें। जय हिंद, जय भारत।

तीनि अपरैल ओन्नइस सौ चौरासी के राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाये वाला पहिला भारतीय हवें।

येह बिच्चे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कहलिनि कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में भारत बदे एगो नया मील क पाथर साबित कइले हवें। उहां के कहलीं कि पूरा देस उनके येह उपलब्धी से उत्साहित अउर गौरवान्वित हौ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत, हंगरी, पोलैंड अउर अमरीका के अंतरिक्ष यात्रियन के ले के अंतरिक्ष मिसन क सफल प्रक्षेपण क स्वागत कइले हवें। सोसल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी कहलें कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अपने साथे एक सौ चालीस करोड़ भारतीयन क इच्छा, ओम्मेद अउर आकांक्षा ले के आइल हवें। श्री मोदी उन्हें आ अउरियो अंतरिक्ष यात्रियन के सफलता क सुभकामना दिहलें।

ओहर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोसल मीडिया पर सुभकामना देत लिखलें कि भारत खातिर ई गर्व क क्षण हौ। एक्सिओम मिसन–चारि के मिसन पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के येह इतिहासिक उपलब्धी पर हारदिक बधाई।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में आजु गोरखपर, कानपुर अउर कन्नौज के डेयरी प्लांट अउर अम्बेडकरनगर क पसु आहार निर्माणसाला के चलावे बदे राष्ट्रीय विकास डेयरी बोर्ड–एनडीडीबी अउर उत्तर प्रदेस कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेसन के बिच्चे समझौता भइल। येह मौका पर मुख्यमंत्री कहलें कि प्रदेस सरकार दुग्ध उत्पादकन क आय बढ़ावे, पसुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मजबूत कइले अउर उपभोक्ता लोगिन के गुणवत्तापरक उत्पाद उपलब्ध करावे बदे पुरहर प्रतिबद्धता के साथे कार कइ रहलि हौ।

आज हमारा अन्नदाता किसान खुशहाल है आज वह आत्महत्या नही करता, पलायन नही करता, आज उसे कृषि से जुड़े हुए अलाइड सेक्टर में सभी प्रकार के प्रोत्साहन भी मिलते हैं, तकनीक भी मिलती है और उसे हर प्रकार से सरकार सहयोग करने के लिए तत्पर्य रहती है। पहली बार हुआ है कि आईसीआर या सेंट्रल और स्टेट गवरमेंट की यूनिवर्सिटिज में ,लैब्स में, या फिर कृषि विज्ञान केन्द्रों मे जो कृषि वैज्ञानिक कार्य कर रहे हैं वे पहली बार किसानों के खेत में जा करके उनको प्रशिक्षण दिए हैं।

****

आजु संविधान हत्या दिवस मनावल जा रहल हौ। ई दिन हम्मे ओह घटना क यादि दियावे ला, जब पचीस जून ओन्नइस सौ पचहत्तर के संविधान क गला घोंटि के देस पर आपातकाल थोपि दीहल गइल रहे। ई आपातकाल से पीड़ित हर मनई के सरधांजलि दिहले क दिन हौ। एगो रिपोर्ट–

आपातकाल के दौरान जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य विपक्षी नेताओं को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया था। शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इस अधिनियम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था और लगभग 35000 लोगों को बिना किसी सुनवाई के हिरासत में लिया गया था। भारतीय जेलों में 183000 की क्षमता के मुकाबले 2 लाख 20 हजार से अधिक कैदी थे। इनमें से 126000 से अधिक विचाराधीन कैदी थे। आकाशवाणी के मन की बात कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आपातकाल के दौरान अत्याचारों का सामना करने के बावजूद लोगों का लोकतंत्र में विश्वास बरकरार रहा। जब इमरजेंसी लगाई गई उसमें देश के नागरिकों से सारे अधिकार छीन लिए। लगभग 21 महीने तक चले आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था और मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

ओहर, लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या, वाराणसी, बदायूं, सुल्तानपुर, मेरठ, अमरोहा के सथहीं कई जिलन में परदरसनी अउर गोस्ठियन के जरिया से आपातकाल के दौरान दीहल गइल यातना के बारे में लोगिन के जनकारी दीहल गइल।

****

मौसम विभाग प्रदेस के कई इलाकन में आवे वाला दुइ दिन ले गरज–चमकि के साथे बरखा क अनुमान जतवले हौ। येह दौरान पच्छिम के कुछु इलाकन में भारी बरखो क सम्भावना जतावल गइल हौ त कुछु जिलन में रूकि–रूकि के बरखा क सिलसिला अगिला एक हप्ता ले जारी रहले क ओम्मेद हौ।

****